CyberPeace

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

डिजिटल फुटप्रिंट अवधारणा एवं आवश्यकता

कार्यशाला – छात्रों एवं शिक्षकों के लिए

उद्देश्य

- डिजिटल फुटप्रिंट की समझ विकसित करना
- ऑनलाइन व्यवहार के प्रभाव समझना
- साइबर सुरक्षा एवं कानूनी जिम्मेदारियों से परिचय
- सुरक्षित डिजिटल नागरिक बनना

आज का डिजिटल जीवन

- पढ़ाई, मनोरंजन, संवाद, बैंकिंग, – सब कुछ ऑनलाइन
- स्मार्टफोन और इंटरनेट जीवन का हिस्सा
- हर ऑनलाइन गतिविधि डेटा के रूप में दर्ज होती है
- हर क्लिक, पोस्ट और सर्च का रिकॉर्ड बनता है
- यही रिकॉर्ड हमारा डिजिटल फुटप्रिंट है

डिजिटल फुटप्रिंट क्या है?

- इंटरनेट पर छोड़ी गई हमारी डिजिटल छाप
 जिसे व्यक्ति, कंपनियाँ या सरकार देख सकती हैं

- हम जानबूझ कर और अनजाने में भी अपना डाटा शेयर करते हैं जैसे की ईमेल, फ़ोन नंबर, पोस्ट, लोकेशन, इत्यादि

- समय के साथ यह बड़ा और स्थायी बन सकता है

डिजिटल फुटप्रिंट के मुख्य प्रकार

- सक्रिय डिजिटल फुटप्रिंट – जो हम खुद बनाते हैं
- निष्क्रिय डिजिटल फुटप्रिंट – जो स्वतः बनता है

CyberPeace

विद्ययाऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

सक्रिय डिजिटल फुटप्रिंट

- सोशल मीडिया पोस्ट, स्टोरी, रील
- ऑनलाइन कमेंट और रिव्यू
- फोटो, वीडियो और डॉक्यूमेंट अपलोड
- ईमेल और चैट संदेश

निष्क्रिय डिजिटल फुटप्रिंट

- ब्राउज़िंग हिस्ट्री

- IP एड्रेस और लोकेशन

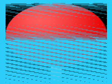

- कुकीज़ और विज्ञापन ट्रैकिंग

- ऐप्स द्वारा एकत्र किया गया डेटा

रोज़मर्रा के उदाहरण

- Google पर की गई खोज

- YouTube पर देखे गए वीडियो

- ऑनलाइन गेम अकाउंट

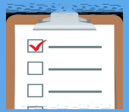

- स्कूल ऐप या LMS का उपयोग

CyberPeace

डिजिटल फुटप्रिंट कैसे बनता है?

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

- वेबसाइट पर साइन-अप

- ऐप इंस्टॉल करना

- ऑनलाइन खरीदारी

- पब्लिक Wi-Fi का उपयोग

सोशल मीडिया की भूमिका

- पोस्ट स्थायी हो सकती है
- डिलीट करने के बाद भी रिकॉर्ड रह सकता है
- शेयर किया गया कंटेंट नियंत्रण से बाहर जा सकता है

मोबाइल ऐप्स और डेटा संग्रह

- कैमरा, माइक्रोफोन, कॉन्टैक्ट्स
- लोकेशन ट्रैकिंग
- बैकग्राउंड डेटा कलेक्शन
- उपयोगकर्ता की अनजान सहमति

डिजिटल फुटप्रिंट क्यों महत्वपूर्ण है?

- यह हमारी डिजिटल पहचान बनाता है
- भरोसे और विश्वसनीयता को प्रभावित करता है
- अवसरों और जोखिमों दोनों से जुड़ा है

छात्रों के लिए महत्व

- भविष्य की शिक्षा और करियर
- ऑनलाइन व्यवहार का मूल्यांकन
- साइबर बुलिंग से बचाव
- आत्म-सुरक्षा की समझ

CyberPeace

शिक्षकों के लिए महत्व

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

- छात्रों के लिए डिजिटल आदर्श
- ऑनलाइन कक्षा की गरिमा
- पेशेवर छवि बनाए रखना
- छात्रों को मार्गदर्शन देना

डिजिटल पहचान क्या है?

- हमारी ऑनलाइन छवि
- प्रोफाइल, पोस्ट और व्यवहार से बनती है
- समय के साथ बदल भी सकती है

डिजिटल प्रतिष्ठा (Reputation)

- सकारात्मक कंटेंट = सकारात्मक छवि
- नकारात्मक पोस्ट = लंबे समय तक नुकसान
- सोच-समझकर ऑनलाइन व्यवहार करें
- साइबर बुलिंग, स्टाकिंग, एब्यूज, हरस्मेंट, खासकर लड़कियों के प्रति, न करें

डिजिटल फुटप्रिंट और सुरक्षा

- अधिक डेटा = अधिक खतरा
- पहचान चोरी
- ऑनलाइन धोखाधड़ी
- साइबर बुलिंग

साइबर अपराध से संबंध

- फर्जी प्रोफाइल
- ऑनलाइन धमकी
- डेटा का दुरुपयोग
- डिजिटल फुटप्रिंट अपराध में सुराग बन सकता है

कानूनी दृष्टिकोण

- ऑनलाइन गतिविधियाँ कानून के अंतर्गत
- इंटरनेट पर किया गया कार्य भी वैध प्रमाण
- डिजिटल लापरवाही कानूनी समस्या बन सकती है

इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट , २०००

- भारत का प्रमुख साइबर कानून
- इंटरनेट, कंप्यूटर और डिजिटल संचार से जुड़े मामलों को नियंत्रित करता है
- ऑनलाइन अपराधों को पहचानता है और उनके लिए दंड निर्धारित करता है
- डिजिटल लेन-देन और ई-गवर्नेंस को कानूनी मान्यता देता है

इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट , २०००

- व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा पर जोर
- बिना अनुमति डेटा का उपयोग या साझा करना अपराध
- कंपनियों और वेबसाइटों की जिम्मेदारी कि वे उपयोगकर्ता डेटा सुरक्षित रखें
- लापरवाही से डेटा लीक होने पर कानूनी कार्रवाई संभव

डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन एक्ट २०२३

- भारत का नया डेटा संरक्षण कानून
- व्यक्तिगत डिजिटल डेटा (personal digital data) की सुरक्षा के लिए बनाया गया
- यह बताता है कि डेटा कैसे एकत्र किया जाए, कैसे उपयोग किया जाए, और कैसे सुरक्षित रखा जाए
- नागरिकों के डिजिटल अधिकारों को मजबूत करता है

छात्रों और शिक्षकों के लिए DPDP Act क्यों महत्वपूर्ण है?

- स्कूल ऐप, ऑनलाइन क्लास और एजुकेशन प्लेटफॉर्म डेटा लेते हैं
- नाम, मोबाइल नंबर, फोटो, ईमेल – सब व्यक्तिगत डेटा है
- बिना अनुमति डेटा साझा करना गलत और अवैध हो सकता है
- नाबालिगों के डेटा की **अतिरिक्त सुरक्षा** का प्रावधान

साइबर अपराध क्या-क्या हो सकते हैं

- हैकिंग/ अनधिकृत एक्सेस
- पहचान चोरी (Identity Theft)
- ऑनलाइन धोखाधड़ी और फर्जी वेबसाइट (Phishing)
- ईमेल, सोशल मीडिया या ऐप के माध्यम से ठगी (Fraud)
- मानहानि (Defamation)
- फर्जी खबरें फैलाना (Misinformation)
- बिना अनुमति फोटो साझा करना
- Ransomware, Malware, इत्यादि

CyberPeace

क्या डिजिटल फुटप्रिंट के लाभ भी हैं?

विद्ययाऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

- डिजिटल सीख और अवसर
- पहचान और नेटवर्किंग
- सकारात्मक सामाजिक प्रभाव
- जिम्मेदार डिजिटल नागरिकता
- \

सुरक्षित डिजिटल व्यवहार

- पोस्ट करने से पहले सोचें
- निजी जानकारी सुरक्षित रखें
- अजनबियों से सावधान
- संदिग्ध लिंक से बचें

पासवर्ड और अकाउंट सुरक्षा

- मजबूत पासवर्ड
- दो-स्तरीय सत्यापन (2FA)
- पासवर्ड साझा न करें
- समय-समय पर बदलाव

ऐप अनुमति और गोपनीयता

- केवल आवश्यक अनुमति
- ऐप सेटिंग्स की नियमित जाँच
- अनावश्यक ऐप हटाना
- अपडेट रखना

CyberPeace

छात्रों के लिए व्यावहारिक सुझाव

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

- सम्मानजनक ऑनलाइन संवाद
- समस्या होने पर रिपोर्ट करें
- शिक्षक/अभिभावक से बात करें
- साइबर हेल्पलाइन की जानकारी रखें

शिक्षकों की भूमिका

- डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा
- सुरक्षित ऑनलाइन वातावरण
- छात्रों को सही दिशा देना
- कानून और जिम्मेदारी की समझ

छात्रों और शिक्षकों के लिए मुख्य संदेश

- ऑनलाइन किया गया कार्य भी वास्तविक माना जाता है
- डिजिटल लापरवाही कानूनी परेशानी बन सकती है
- जागरूकता और सावधानी सबसे बड़ा बचाव है

धन्यवाद